

अपर समाहर्ता का न्यायालय, गोड्डा
RMA No- 19/2013-14

1/12/2022

अपीलकर्ता- लुसीफ मुर्मू वगै०
बनाम
उत्तरवादी- महालाल मरण्डी वगै०
-: आदेश :-

उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता को सुना गया। अभिलेखबद्ध कागजातों का अवलोकन किया।

वर्तमान अपीलवाद विद्वान भूमि सुधार उपसमाहर्ता, गोड्डा के न्यायालय में निष्पादित म्यूटेशन अपील नं०-02/2002-03 सोनालाल मुर्मू वगैरह बनाम महालाल मरांडी वगै० में दिनांक-13.02.2013 को पारित आदेश के विरुद्ध अपीलकर्ता द्वारा यह वाद श्रीमान् उपायुक्त महोदय गोड्डा के न्यायालय में दायर किया गया था जिसे दिनांक-31.10.2013 को हस्तांतरण के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में निष्पादन हेतु प्राप्त हुआ।

अपीलकर्ता के विद्वान अधिवक्ता का कथन है कि मौजा-अमरपुर, नं०-534 जमाबंदी नं०-162, कुल रकवा- 06-18-01 धूर जमीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, गोड्डा के मुटेशन केस नं०-56/1963-64 के आदेश दिनांक-05.07.1965 के द्वारा अपीलकर्तागण के पिता के नाम से नामांतरण किया गया था उसके बाद अपीलकर्ता शांतिपूण ढंग से जमीन का जोत आवाद करते थे एवं सरकार को सालाना मालगुजारी का भुगतान करते थे। लेकिन उत्तरवादीगण ने अंचल अधिकारी, गोड्डा के समक्ष उक्त जमीन का नामांतरण के लिए आवेदन दाखिल किया अंचल अधिकारी, गोड्डा ने अपीलकर्तागण के द्वारा किये गये नामांतरण वाद को रद्द किया एवं उत्तरवादीगण के नाम से उक्त जमीन का नामांतरण किया। उक्त मुटेशन के विरुद्ध अपीलकर्तागण के द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्ता गोड्डा के न्यायालय में मुटेशन अपील नं०-02/ 2002-03 दायर किया। भूमि सुधार उप समाहर्ता, गोड्डा ने अपने आदेश दिनांक-13.02.2013 के द्वारा अपीलकर्ता के आवेदन को खारिज कर दिया गया। परन्तु भूमि सुधार उप समाहर्ता गोड्डा ने अपीलकर्तागण की ओर से प्रस्तुत किये गये कागजातों का सही ढंग से अवलोकन नहीं किया। इसलिए भूमि सुधार उप समाहर्ता के द्वारा पारित आदेश नियमसंगत नहीं है। उन्होंने भूमि सुधार उप समाहर्ता गोड्डा के द्वारा पारित आदेश को निरस्त करते हुए वर्तमान अपील आवेदन स्वीकृत करने का अनुरोध किया है।

अपीलकर्तागण के द्वारा अपील आवेदन के साथ अपील के काल अवधि को क्षांत करने के लिए लिमिटेशन एक्ट की धारा-5 के तहत आवेदन दाखिल किया है इसके आलोक में विपक्षी को अपना पक्ष रखने के लिए नोटिश निर्गत किया गया है।

प्रक्रिया चलने के दौरान अपीलकर्ता सोनालाल मुर्मू की मृत्यु हो गयी है उनके स्थान पर लुसीफ मुर्मू एवं बोना मुर्मू को प्रतिस्थानी पक्षकार बनाया गया। तथा उत्तरवादी की ओर से हेमलाल मरांडी की मृत्यु हो गयी है पर उनकी ओर से

किसी के द्वारा भी पक्षकार बनने हेतु आवेदन नहीं दिया है।

उत्तरवादी के विज्ञान अधिवक्ता का कथन है कि मौजा-अमरपुर, नं0-534 जमाबंदी नं0-162, कुल रकवा- 06-18-01 धूर जमीन रमका टुडू के नाम से दर्ज है। रमका टुडू को एक बहन रैमत टुडू थी जिनकी शादी अमरपुर के श्रीराम मरांडी के साथ हुई थी। श्रीराम मरांडी एवं रैमत टुडू से एक पुत्र घसिया मरांडी हुए। घसिया मरांडी अपने पीछे एक पुत्र छोटे मरांडी को छोड़कर फौत कर गये। उत्तरवादीगण छोटे मरांडी के वंशज हैं। चूँकि रमका टुडू को कोई औलाद नहीं था। इसलिए उन्होंने अपना सेवा सुसरवा (देख-भाल) के लिए अपना भैगना घसिया मरांडी को रख लिया था। घसिया मरांडी ही अपने मामा रमका टुडू का देख-भाल किया करते थे एवं खेती-बाड़ी में उनका मदद किया करते थे उन्होंने अपने जीवन काल में ही पारिवारिक समझौता के अनुसार कागज तैयार कर अपनी सम्पूर्ण जमीन घसिया मरांडी के नाम कर दिया था। इस प्रकार घसिया मरांडी उनके सम्पूर्ण जमीन का दखलकार हुए। घसिया मरांडी के बाद उनके पुत्र छोटे मरांडी दखलकार हुए। छोटे मरांडी की मृत्यु के बाद उत्तरवादीगण उक्त भूमि पर दखलकार हुए। लेकिन उभय पक्षों के बीच एक फौजदारी मामला हुआ था जिसके दौरान उत्तरवादीगण को यह मालुम हुआ कि अपीलकर्तागण गलत तरीके से उक्त जमाबंदी की जमीन पर दावा कर रहे हैं। इसके पश्चात् उत्तरवादी के पूर्वज छोटे मरांडी के द्वारा टाईटल सूट वाद दायर किया गया। जिसमें उत्तरवादी के पक्ष में डीग्री प्रदान किया गया। उक्त डीग्री होने के उपरांत उत्तरवादीगण उक्त जमीन पर स्वत्व कायम होने के कारण ही अंचल अधिकारी, गोड्डा के द्वारा उत्तरवादी के पक्ष में नामांतरण आदेश पारित किया गया था जिसके विरुद्ध अपीलकर्ता ने भूमि सुधार उप समाहर्ता के न्यायालय में अपीलवाद दायर किया था। चूँकि उक्त भूमि पर उत्तरवादी के पक्ष में स्वामित्व का डीग्री सक्षम न्यायालय के द्वारा दिया गया था इसलिए भूमि सुधार उप समाहर्ता गोड्डा ने अंचल अधिकारी, गोड्डा के नामांतरण वाद संख्या- 01/2000-01 में दिनांक-14.08.2000 को पारित आदेश को सही मानते हुए अपीलकर्ता के अपील आवेदन को अस्वीकृत किया है। इस प्रकार भूमि सुधार उप समाहर्ता के द्वारा पारित आदेश में कोई त्रुटि नहीं है। इसलिए अपीलकर्ता का आवेदन खारिज करने योग्य है। अतः भूमि सुधार उप समाहर्ता के द्वारा पारित आदेश को यथावत रखते हुए अपीलकर्तागण के अपील को खारिज करने का अनुरोध किया है।

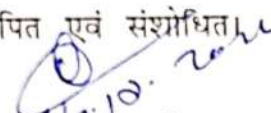
उभय पक्षों के विज्ञान अधिवक्ताओं के बहस सुनने एवं अभिलेखबद्ध कागजातों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि अपीलकर्तागण के द्वारा स्पष्ट नहीं किया गया है कि विषयगत जमीन उन्हें किस आधार पर प्राप्त है। जबकि स्वत्व वाद संख्या-29/1996 में पारित आदेश एवं टाईटल अपील नं0-01/1999 में अनुमंडल पदाधिकारी, गोड्डा के पारित आदेश दिनांक-31.03.2003 से यह स्पष्ट होता है कि उत्तरवादी का उक्त जमीन पर स्वामित्व है। ऐसी स्थिति में भूमि सुधार उप

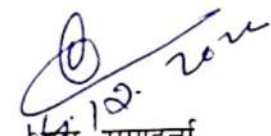
अपर समाहर्ता का न्यायालय, गोड्डा
RMA No- 19/ 2013-14

समाहर्ता, गोड्डा के न्यायालय का मुटेशन केस नं०-02/2002-03 (सोनालाल मुर्मू वगै बनाम् महालाल मरांडी वगै० में दिनांक-13.02.2013 को पारित आदेश नियम संगत प्रतीत होता है। इसमें हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता प्रतीत नहीं होता है।

अतः भूमि सुधार उपसमाहर्ता, गोड्डा द्वारा मयुटेशन अपील मुटेशन केस नं०-02/2002-03 (सोनालाल मुर्मू वगै० बनाम् महालाल मरांडी वगै० में दिनांक-13.02.2013 को पारित आदेश को बरकरार रखते हुए वर्तमान अपीलवाद खारिज किया जाता है असंतुष्ट पक्षकार सक्षम न्यायालय जा सकते हैं।

लेखापित एवं संशोधित।


अपर समाहर्ता,
गोड्डा।


अपर समाहर्ता,
गोड्डा।